सामाजिक संस्थाओं को समझना

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा और उनका महत्व

प्रश्न 1 (आसान). आपके घर में ऐसा कौन सा नियम है जिसे आप 'सामाजिक संस्था' का हिस्सा मान सकते हो?
उत्तर – बड़ों का आदर करना / खाने से पहले हाथ धोना।

प्रश्न 2 (आसान). 'शादी' किस प्रकार की 'सामाजिक संस्था' है?
उत्तर – परिवार और नातेदारी से जुड़ी सामाजिक संस्था।

प्रश्न 3 (मध्यम). कोई एक ऐसी 'सामाजिक संस्था' का नाम बताओ जो आपको 'प्रतिबंधित' (restrict) भी करती है और 'पुरस्कृत' (reward) भी?
उत्तर – स्कूल। यह नियमों से पढ़ने के लिए प्रतिबंधित करता है और अच्छे नंबर या ज्ञान से पुरस्कृत करता है।

प्रश्न 4 (कठिन). क्या आप सोचते हो कि 'सोशल मीडिया' (social media) भी एक तरह की 'सामाजिक संस्था' बन रही है? क्यों?
उत्तर – हाँ, क्योंकि इसके भी अपने अलिखित नियम (unwritten rules) बन गए हैं कि क्या पोस्ट करना है, कैसे प्रतिक्रिया देनी है, और लोग इन नियमों के हिसाब से व्यवहार करते हैं, जो उन्हें प्रभावित करता है।

» सामाजिक संस्थाओं को समझने के दृष्टिकोण: प्रकार्यवाद और संघर्षवाद

प्रश्न 5 (आसान). प्रकार्यवादी दृष्टिकोण के अनुसार, परिवार का मुख्य 'प्रकार्य' (function) क्या है?
उत्तर – बच्चों का पालन-पोषण करना और उन्हें सामाजिक बनाना (socialization)।

प्रश्न 6 (आसान). संघर्षवादी दृष्टिकोण 'समाज में कौन' (Who in society) पर सबसे ज़्यादा ध्यान देता है?
उत्तर – समाज के प्रभावशाली वर्ग (powerful groups) और उनके हित।

प्रश्न 7 (मध्यम). समाज में 'कानून और व्यवस्था' (Law and Order) को प्रकार्यवादी और संघर्षवादी कैसे देखेंगे?
उत्तर – प्रकार्यवादी इसे समाज में स्थिरता बनाए रखने के लिए ज़रूरी मानेंगे। संघर्षवादी कहेंगे कि कानून अक्सर प्रभावशाली लोगों के हितों की रक्षा करते हैं और कमज़ोरों को दबाते हैं।

प्रश्न 8 (कठिन). क्या सामाजिक संस्थाएँ हमेशा एक ही दृष्टिकोण से काम करती हैं, या दोनों दृष्टिकोणों के पहलू उनमें मिल सकते हैं? उदाहरण देकर समझाओ।
उत्तर – नहीं, सामाजिक संस्थाएँ अक्सर दोनों दृष्टिकोणों के पहलुओं को दर्शाती हैं। उदाहरण के लिए, धर्म 'नैतिक मूल्यों' को सिखाकर समाज को स्थिर करता है (प्रकार्यवादी), लेकिन कभी-कभी 'जातिवाद' या 'भेदभाव' को भी बढ़ावा देता है जिससे कुछ वर्गों को नुकसान होता है (संघर्षवादी)।

» परिवार, विवाह और नातेदारी: स्वरूप और परिवर्तन

प्रश्न 9 (आसान). अगर एक नया जोड़ा पति के घर रहता है, तो यह किस प्रकार का परिवार है?
उत्तर – पितृस्थानिक (Patrilocal)

प्रश्न 10 (आसान). अगर परिवार में सभी अधिकार पुरुषों के पास हैं, तो यह किस प्रकार की संरचना है?
उत्तर – पितृसत्तात्मक (Patriarchal)

प्रश्न 11 (मध्यम). क्या मातृवंशीय और मातृसत्तात्मक परिवार एक ही हैं? समझाओ।
उत्तर – नहीं, वे एक नहीं हैं। मातृवंशीय का अर्थ है वंश का नाम माँ की तरफ से चलना। मातृसत्तात्मक का अर्थ है निर्णय लेने और अधिकार महिलाओं के पास होना। मातृवंशीय समाज मौजूद हैं, पर मातृसत्तात्मक बहुत कम या शायद ही मिलते हैं।

प्रश्न 12 (कठिन). आर्थिक असुरक्षा विवाह प्रणाली को कैसे प्रभावित कर सकती है? जर्मनी के एकीकरण का उदाहरण देकर समझाओ।
उत्तर – आर्थिक असुरक्षा लोगों को विवाह से हतोत्साहित कर सकती है। जर्मनी के एकीकरण के बाद, नए राज्य द्वारा पुरानी सामाजिक कल्याण योजनाओं को रद्द करने से लोगों में आर्थिक असुरक्षा बढ़ी, जिसके परिणामस्वरूप विवाह की दर में तेजी से गिरावट आई। लोग सोचते थे कि अगर भविष्य सुरक्षित नहीं है, तो शादी क्यों करें।

» विवाह के प्रकार और नियम

प्रश्न 13 (आसान). 'Monogamy' का क्या अर्थ है?
उत्तर – एक समय में एक ही साथी के साथ विवाह करना।

प्रश्न 14 (आसान). 'Polygyny' में कितने पति और कितनी पत्नियाँ होती हैं?
उत्तर – एक पति और दो या अधिक पत्नियाँ।

प्रश्न 15 (मध्यम). 'Endogamy' और 'Exogamy' में क्या अंतर है?
उत्तर – 'Endogamy' में व्यक्ति अपने ही 'cultural group' में शादी करता है, जबकि 'Exogamy' में व्यक्ति अपने समूह से बाहर शादी करता है।

प्रश्न 16 (कठिन). आपकी राय में 'Polygamy' किन सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में 'emerge' हुई होगी?
उत्तर – आर्थिक रूप से कठिन परिस्थितियों में, जहाँ एक पुरुष पूरे परिवार का भरण-पोषण नहीं कर पाता या जहाँ जनसंख्या को नियंत्रित करना होता है, वहाँ 'Polygamy' जैसी प्रथाएं उभर सकती हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में, 'Polyandry' इसलिए भी होती है ताकि पारिवारिक भूमि का विभाजन न हो।

» कार्य और आर्थिक जीवन: श्रम विभाजन और परिवर्तन

प्रश्न 17 (आसान). निम्नलिखित में से कौन-सा 'कार्य' सवेतनिक नहीं है, फिर भी 'कार्य' माना जाएगा? (क) ऑफ़िस में नौकरी (ख) घर का खाना बनाना (ग) फ़ैक्ट्री में काम (घ) दुकान चलाना
उत्तर – (ख) घर का खाना बनाना

प्रश्न 18 (आसान). 'श्रम विभाजन' का सबसे सरल अर्थ क्या है?
उत्तर – काम का अलग-अलग हिस्सों में बँटवारा करना

प्रश्न 19 (मध्यम). पहले के समय में लोग घर पर ही ज़्यादातर काम करते थे, लेकिन अब फ़ैक्ट्रियों में काम होने लगा है। यह किस तरह का 'परिवर्तन' है?
उत्तर – यह 'कार्य' के 'स्थान' में आया 'औद्योगिक परिवर्तन' है, जहाँ घर और काम अलग हो गए।

प्रश्न 20 (कठिन). आजकल 'उदार उत्पादन' (liberal production) क्यों बढ़ रहा है और इसका श्रमिकों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?
उत्तर – 'उदार उत्पादन' भूमंडलीकरण और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण बढ़ा है ताकि व्यवसाय बाज़ार की बदलती ज़रूरतों के अनुसार तेज़ी से उत्पादन कर सकें। इसका श्रमिकों पर यह प्रभाव पड़ सकता है कि उन्हें कम वेतन मिल सकता है या काम के अवसर भी एक जगह से दूसरी जगह जा सकते हैं।

» राजनीतिक संस्थाएँ: शक्ति, सत्ता और राज्य

प्रश्न 21 (आसान). निम्नलिखित में से कौन 'नागरिक अधिकार' का उदाहरण है:

A) वोट देने का अधिकार

B) बोलने की स्वतंत्रता

C) सरकारी नौकरी पाने का अधिकार

D) चुनाव लड़ने का अधिकार

उत्तर – B) बोलने की स्वतंत्रता

प्रश्न 22 (आसान). जब एक समूह अपनी इच्छा दूसरों के विरोध के बावजूद पूरी कर लेता है, तो इसे क्या कहते हैं?

उत्तर – शक्ति

प्रश्न 23 (मध्यम). आपकी कक्षा में एक लड़का दूसरे लड़के को डराकर उसका लंच ले लेता है। क्या यह 'शक्ति' है या 'सत्ता'? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

उत्तर – यह 'शक्ति' है। क्योंकि डर से उसने अपनी बात मनवाई, लेकिन यह तरीका 'वैध' (सही) नहीं है और समाज इसे स्वीकार नहीं करता। इसलिए यह 'सत्ता' नहीं है।

प्रश्न 24 (कठिन). एक 'आधुनिक राज्य' के किन्हीं तीन मुख्य लक्षणों का वर्णन करें, और 'प्रभुसत्ता' शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर – आधुनिक राज्य के तीन मुख्य लक्षण हैं: 'प्रभुसत्ता', 'नागरिकता' और 'राष्ट्रवाद'। 'प्रभुसत्ता' का अर्थ है कि एक 'राज्य' अपने 'निश्चित भौगोलिक क्षेत्र' में अपने फैसले खुद लेता है और किसी बाहरी शक्ति के अधीन नहीं होता।

» धर्म: समाजशास्त्रीय अध्ययन और उसका प्रभाव

प्रश्न 25 (आसान). धर्म की कोई एक 'universal feature' बताएँ।

उत्तर – प्रतीक (Symbols), अनुष्ठान (Rituals), या समुदाय (Community of believers)।

प्रश्न 26 (आसान). मैक्स वेबर ने 'धर्म' और किस 'economic system' के बीच संबंध बताया?

उत्तर – पूंजीवाद (Capitalism)।

प्रश्न 27 (मध्यम). समाजशास्त्री 'धर्म' का अध्ययन करते समय 'empirical method' का उपयोग क्यों करते हैं?

उत्तर – 'Empirical method' उन्हें 'religion' समाज में कैसे 'actually functions' और 'other institutions' के साथ उसका क्या संबंध है, इसका 'अनुभविक' अध्ययन करने में मदद करता है, बजाय इसके कि वे 'theological' दृष्टिकोण अपनाएँ।

प्रश्न 28 (कठिन). आप क्या सोचते हैं कि आधुनिक समाजों में 'धर्म' का प्रभाव कम हो रहा है या अभी भी महत्वपूर्ण है? अपने विचार 'sociological perspective' से बताएँ।

उत्तर – क्लासिकल समाजशास्त्री मानते थे कि 'secularization' के साथ 'religion' का प्रभाव कम होगा, लेकिन समकालीन घटनाएँ दिखाती हैं कि 'religion' अभी भी 'politics', 'social movements' और 'cultural identity' में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जैसे भारत में 'religious identity' अक्सर 'political identity' से जुड़ जाती है।

» शिक्षा: सामाजिक विरासत का संप्रेषण और स्तरीकरण

प्रश्न 29 (आसान). हमारे रीति-रिवाज एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक कैसे पहुँचते हैं? (एक शब्द में)

उत्तर – शिक्षा

प्रश्न 30 (आसान). क्या शिक्षा सिर्फ स्कूल जाने तक सीमित है?

उत्तर – नहीं

प्रश्न 31 (मध्यम). ईमानदारी और दूसरों का सम्मान करना शिक्षा के किस कार्य के अंतर्गत आते हैं?

उत्तर – सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ावा देना।

प्रश्न 32 (कठिन). शिक्षा कैसे 'सामाजिक स्तरीकरण' को प्रभावित करती है, एक उदाहरण देकर समझाओ।
उत्तर – शिक्षा से व्यक्ति को नए अवसर मिलते हैं, जिससे उसका सामाजिक और आर्थिक स्तर बदल सकता है। जैसे, एक गाँव का लड़का अच्छी पढ़ाई करके सरकारी नौकरी पाता है, तो उसका और उसके परिवार का सामाजिक स्तर ऊपर उठता है।

» सामाजिक संस्थाओं की अंतर्संबंधता

प्रश्न 33 (आसान). क्या एक परिवार का फैसला बच्चे की शिक्षा को प्रभावित कर सकता है? हाँ या नहीं?
उत्तर – हाँ

प्रश्न 34 (आसान). धर्म और सरकार में क्या कोई संबंध होता है?
उत्तर – हाँ

प्रश्न 35 (मध्यम). सोचो, अगर तुम्हारे गाँव में अच्छी 'सरकारी स्वास्थ्य सेवा' नहीं है, तो इसका परिवार और काम पर क्या असर पड़ेगा?
उत्तर – अगर सरकारी स्वास्थ्य सेवा अच्छी नहीं है, तो लोग बीमार पड़ने पर महंगे निजी डॉक्टर के पास जाएंगे, जिससे परिवार का खर्च बढ़ेगा और आर्थिक बोझ पड़ेगा। इससे परिवार में तनाव आ सकता है और काम पर भी असर पड़ेगा क्योंकि लोग बीमार होंगे तो छुट्टी लेनी पड़ेगी या काम ठीक से नहीं कर पाएंगे।

प्रश्न 36 (कठिन). एक 'सामाजिक आंदोलन' (जैसे पर्यावरण बचाने का आंदोलन) कैसे 'राजनीति', 'अर्थव्यवस्था' और 'शिक्षा' जैसी अलग-अलग सामाजिक संस्थाओं को एक साथ प्रभावित कर सकता है?
उत्तर – एक सामाजिक आंदोलन 'राजनीति' को प्रभावित करता है जब लोग सरकार पर 'नए कानून' बनाने या 'नीतियों' में बदलाव लाने के लिए दबाव डालते हैं। 'अर्थव्यवस्था' पर इसका असर होता है जब कंपनियां 'पर्यावरण-अनुकूल' उत्पादन के तरीके अपनाती हैं या 'ग्रीन टेक्नोलॉजी' में निवेश करती हैं। 'शिक्षा' पर यह प्रभाव डालता है क्योंकि 'पर्यावरण जागरूकता' स्कूलों और कॉलेजों में 'पाठ्यक्रम' का हिस्सा बन जाती है, जिससे युवा पीढ़ी 'जिम्मेदार नागरिक' बनती है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए आपके गाँव में कोई नया बच्चा आता है और उसे पता नहीं कि यहाँ कैसे रहना है। आप उसे 'सामाजिक संस्था' के बारे में कैसे समझाओगे?

› पहला कदम: मैं उसे समझाऊँगी कि देखो, 'गाँव' (village) भी एक छोटा 'समाज' (society) है।

› दूसरा कदम: फिर बताऊँगी कि यहाँ कुछ बातें हैं जो सब मानते हैं, जैसे सुबह उठकर 'बड़ों के पैर छूना' (touching elders' feet) या 'त्योहारों' (festivals) पर सब मिलकर 'भोजन' (food) बनाते हैं। ये सब 'रीति-रिवाज' (customs) और 'नियम' (rules) हैं।

› तीसरा कदम: मैं समझाऊँगी कि यही 'स्थापित नियम' और 'प्रथाएँ' (practices) ही 'सामाजिक संस्थाएँ' (social institutions) हैं, जिनसे हमारा गाँव मिलकर चलता है और व्यवस्थित रहता है।

› चौथा कदम: ये संस्थाएँ उसे सिखाती हैं कि गाँव में कैसे बर्ताव करना है, और बदले में उसे 'गाँव का हिस्सा' (part of the village) बनने का 'अवसर' (opportunity) देती हैं।

उत्तर – बच्चे को 'गाँव के नियमों और प्रथाओं' के उदाहरण देकर समझाया जाएगा कि कैसे वे 'सामाजिक संस्था' का हिस्सा हैं, जो समाज को व्यवस्थित रखती हैं।

उदाहरण 2. एक प्रकार्यवादी और एक संघर्षवादी 'शिक्षा प्रणाली' (education system) को किस तरह देखेंगे?

› पहले प्रकार्यवादी दृष्टिकोण से सोचते हैं। शिक्षा प्रणाली का 'function' क्या है? यह हमें 'knowledge' और 'skills' देती है, बच्चों को समाज में 'proper members' बनने के लिए तैयार करती है। तो, प्रकार्यवादी कहेंगे कि 'शिक्षा प्रणाली समाज के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, जिससे समाज में व्यवस्था बनी रहती है और लोग अपनी भूमिका निभा पाते हैं।' यानी, ये समाज को चलाने का एक ज़रूरी अंग है।

› अब संघर्षवादी दृष्टिकोण से सोचते हैं। समाज में 'संघर्ष' और 'असमानता' कहाँ दिखती है शिक्षा में? देखो, कुछ 'private schools' बहुत महंगे होते हैं, जहाँ अमीर बच्चे पढ़ते हैं और उन्हें बेहतर 'facilities' मिलती हैं। गरीब बच्चे 'government schools' में पढ़ते हैं जहाँ शायद उतनी सुविधाएँ न मिलें। तो, संघर्षवादी कहेंगे कि शिक्षा प्रणाली समाज में मौजूद

असमानताओं को बनाए रखती है। यह प्रभावशाली वर्गों के बच्चों को बेहतर अवसर देती है, जिससे वे समाज में अपनी 'privileged' स्थिति बनाए रख सकें और दूसरों को पीछे छोड़ दें।'

› तो दोनों का नज़रिया बिलकुल अलग हो गया।

उत्तर – प्रकार्यवादी शिक्षा को समाज में 'व्यवस्था' और 'समानता' बनाए रखने वाले 'कार्य' के रूप में देखते हैं, जबकि संघर्षवादी इसे 'असमानता' और 'शक्ति' के संबंधों को बनाए रखने का एक 'tool' मानते हैं।

उदाहरण 3. एक ऐसे परिवार का वर्णन करें जहाँ शादी के बाद बेटा अपनी पत्नी के साथ बेटी के घर रहता है और परिवार के सारे बड़े फैसले महिलाएं लेती हैं। क्या यह परिवार 'मातृस्थानिक' या 'पितृस्थानिक' है? और 'पितृसत्तात्मक' या 'मातृसत्तात्मक'?

› पहला, 'शादी के बाद बेटा अपनी पत्नी के साथ बेटी के घर रहता है' - इसका मतलब है कि नया जोड़ा पत्नी के माता-पिता के घर रह रहा है। इसलिए यह 'मातृस्थानिक' (matrilocal) है।

› दूसरा, 'परिवार के सारे बड़े फैसले महिलाएं लेती हैं' - इसका मतलब है कि अधिकार और निर्णय लेने की भूमिका महिलाओं के पास है। इसलिए यह 'मातृसत्तात्मक' (matriarchal) है।

› तो, यह एक 'मातृस्थानिक' और 'मातृसत्तात्मक' परिवार है।

उत्तर – यह परिवार मातृस्थानिक (Matrilocal) और मातृसत्तात्मक (Matriarchal) है।

उदाहरण 4. एक ऐसे 'village' का उदाहरण दें जहाँ 'village exogamy' का नियम पालन किया जाता है, और बताएं कि ऐसा क्यों किया जाता है?

› समझो कि उत्तरी भारत के एक गाँव में 'village exogamy' का नियम है।

› इसका मतलब है कि गाँव के लोग अपने ही गाँव में शादी नहीं करते, बल्कि अपनी लड़कियों की शादी दूसरे गाँव में करते हैं।

› ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि लड़की अपने ससुराल में 'smoothly' यानी आसानी से घुल-मिल सके, और मायके वालों का 'interference' यानी हस्तक्षेप कम हो।

› यह 'geographical distance' और 'patriarchal system' यानी पितृसत्तात्मक व्यवस्था, दोनों को बनाए रखता है।

उत्तर – उत्तरी भारत के कई गाँवों में 'village exogamy' का पालन किया जाता है, जहाँ लड़कियाँ अपने गाँव से बाहर, दूर के गाँवों में ब्याही जाती हैं। इसका मुख्य कारण यह सुनिश्चित करना है कि ससुराल में लड़की का समायोजन आसानी से हो और मायके पक्ष का दखल कम रहे, जिससे नए परिवार में उसकी स्थिति सुदृढ़ हो।

उदाहरण 5. मान लीजिए एक गाँव में एक किसान, एक दर्जी और एक शिक्षक रहते हैं। बताइए ये तीनों समाज की कौन-सी ज़रूरतें पूरी करते हैं और यह कैसे 'श्रम विभाजन' का उदाहरण है?

› स्टेप 1: पहले किसान को देखो। किसान क्या करता है? वह अनाज उगाता है। यह लोगों की खाने की ज़रूरत पूरी करता है।

› स्टेप 2: अब दर्जी को देखते हैं। दर्जी कपड़े सिलता है। यह लोगों के पहनने की ज़रूरत पूरी करता है।

› स्टेप 3: और शिक्षक? शिक्षक बच्चों को पढ़ाता है, ज्ञान देता है। यह शिक्षा की ज़रूरत पूरी करता है।

› स्टेप 4: यहाँ हर व्यक्ति एक अलग 'कार्य' कर रहा है, और सब मिलकर समाज की अलग-अलग ज़रूरतें पूरी कर रहे हैं। यही तो 'श्रम विभाजन' है, जहाँ काम बँटा हुआ है और हर कोई अपने हिस्से का काम करके पूरे समाज को चला रहा है।

उत्तर – किसान (खाने की ज़रूरत), दर्जी (पहनने की ज़रूरत), शिक्षक (शिक्षा की ज़रूरत) - ये सभी 'श्रम विभाजन' के उदाहरण हैं, जहाँ विभिन्न 'कार्य' समाज की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

उदाहरण 6. एक छात्र को स्कूल में हेडमास्टर ने नया नियम बताया कि अब सबको रोज़ यूनिफॉर्म में आना होगा। छात्र को यह नियम पसंद नहीं आया, लेकिन उसे मानना पड़ा। इस स्थिति में हेडमास्टर के पास 'शक्ति' है या 'सत्ता'?

› पहचानो कि क्या हेडमास्टर अपनी इच्छा पूरी कर रहे हैं (नियम लागू कर रहे हैं)?

› देखो कि क्या छात्र विरोध कर रहा है (पसंद नहीं है)?

› पता लगाओ कि क्या छात्र फिर भी नियम मान रहा है क्योंकि उसे 'वैध' (सही) माना जाता है?

› निष्कर्ष निकालो: हेडमास्टर के पास 'शक्ति' और 'सत्ता' दोनों हैं।

उत्तर – इस स्थिति में हेडमास्टर के पास 'शक्ति' भी है क्योंकि उन्होंने अपनी बात मनवाई, और 'सत्ता' भी है क्योंकि स्कूल

के नियमों के हिसाब से उनकी बात को 'वैध' और 'सही' माना जाता है, इसीलिए छात्र को न चाहते हुए भी मानना पड़ा।

उदाहरण 7. समाजशास्त्र 'धर्म' का अध्ययन धार्मिक या ईश्वरमीमांसीय अध्ययन से किस प्रकार भिन्न है? उदाहरण देकर समझाएँ।

› पहला, समाजशास्त्री 'धर्म' को 'social phenomenon' मानते हैं, यानी एक सामाजिक घटना। वे ये नहीं देखते कि 'God exists or not' या कौन सा 'religious belief' सही है। धार्मिक अध्ययन 'theological' होता है, वो ईश्वर, 'sacred texts' और 'moral teachings' पर केंद्रित होता है।

› दूसरा, समाजशास्त्रीय अध्ययन 'empirical' और 'comparative' होता है। मतलब, समाजशास्त्री 'field work' करते हैं, लोगों से बात करते हैं, 'observations' करते हैं, और अलग-अलग धर्मों की तुलना करते हैं कि वे कैसे 'social structures' को 'influence' करते हैं। जबकि धार्मिक अध्ययन में 'faith' और 'scriptural interpretation' ज़्यादा महत्वपूर्ण होता है।

› तीसरा, समाजशास्त्री 'धर्म' का संबंध समाज की अन्य संस्थाओं से जोड़कर देखते हैं - जैसे 'politics', 'economy' और 'family' से। उदाहरण के लिए, वे देखेंगे कि 'religion' ने भारत के 'caste system' को कैसे 'influenced' किया या 'religious movements' ने 'social reforms' कैसे लाए। धार्मिक अध्ययन आमतौर पर 'internal consistency' और 'spiritual meaning' पर अधिक ध्यान देता है।

उत्तर – संक्षेप में, समाजशास्त्री 'धर्म' को एक 'सामाजिक शक्ति' के रूप में देखते हैं जो लोगों और समाज को आकार देती है, जबकि धार्मिक अध्ययन 'आस्था' और 'ईश्वर' के पहलुओं पर केंद्रित होता है।

उदाहरण 8. सोचो कि एक बच्चा अपने परिवार से खेती का ज्ञान सीखता है और स्कूल में विज्ञान पढ़ता है। इसमें 'शिक्षा' कैसे 'सामाजिक विरासत का संप्रेषण' और 'सामाजिक स्तरीकरण' को प्रभावित कर रही है?

› पहला चरण: बच्चा अपने परिवार से खेती के पारंपरिक तरीके सीखता है - जैसे कौन सी फसल कब लगानी है, खाद कैसे डालनी है। यह 'सामाजिक विरासत का संप्रेषण' है, क्योंकि वह अपने पुरखों का ज्ञान ले रहा है।

› दूसरा चरण: जब वह स्कूल में विज्ञान पढ़ता है, तो वह आधुनिक खेती के तरीकों, नई तकनीकों, या मिट्टी की जाँच के बारे में सीखता है। यह भी 'सामाजिक विरासत का संप्रेषण' है, लेकिन इसमें नया, औपचारिक ज्ञान जुड़ रहा है।

› तीसरा चरण: अब, अगर वह बच्चा इस आधुनिक और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर बेहतर फसल उगा पाता है, या कृषि-वैज्ञानिक बन जाता है, तो उसकी शिक्षा ने उसे एक बेहतर आर्थिक अवसर दिया है। यह उसके 'सामाजिक स्तरीकरण' को प्रभावित करता है, क्योंकि उसका सामाजिक और आर्थिक स्तर ऊपर उठ जाता है।

उत्तर – इस तरह, बच्चे ने परिवार से अपनी सामाजिक विरासत (पारंपरिक खेती का ज्ञान) ली, और स्कूल से औपचारिक शिक्षा (विज्ञान) लेकर उस विरासत को समृद्ध किया, जिससे उसे बेहतर अवसर मिले और उसके सामाजिक स्तर में सुधार आया।

उदाहरण 9. मान लीजिए एक शहर में एक बड़ी 'फैक्ट्री' बंद हो जाती है। यह घटना 'शहर के समाज' को कैसे प्रभावित करेगी?

› पहला असर 'आर्थिक संस्था' पर: बहुत से लोग 'बेरोजगार' हो जाएंगे, जिससे उनकी 'आमदनी' खत्म हो जाएगी।

› दूसरा असर 'पारिवारिक संस्था' पर: परिवारों में 'आर्थिक तनाव' बढ़ेगा। बच्चों की 'शिक्षा' और 'स्वास्थ्य' पर भी असर पड़ सकता है। हो सकता है कुछ परिवार को 'दूसरा शहर' जाना पड़े।

› तीसरा असर 'शैक्षिक संस्था' पर: बच्चे स्कूल छोड़ सकते हैं या 'कम फीस' वाले सरकारी स्कूलों में जा सकते हैं।

› चौथा असर 'राजनीतिक संस्था' पर: सरकार पर 'रोजगार' के लिए दबाव बढ़ेगा। शहर की 'कानून व्यवस्था' पर भी असर पड़ सकता है।

› पांचवां असर 'सामुदायिक संस्था' पर: लोग 'विरोध प्रदर्शन' कर सकते हैं, या 'आपसी सहयोग' के नए तरीके ढूंढ सकते हैं।

उत्तर – फैक्ट्री का बंद होना सिर्फ आर्थिक घटना नहीं है, यह परिवार, शिक्षा, राजनीति और समुदाय सहित शहर की सभी सामाजिक संस्थाओं को गहराई से प्रभावित करता है, उनकी अंतर्संबंधता को दर्शाता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• बोर्ड परीक्षा में 'सामाजिक संस्था' की 'परिभाषा' (definition) और 'उदाहरण' (examples) अक्सर पूछे जाते हैं। अलग-अलग संस्थाओं जैसे 'परिवार' (family), 'शिक्षा' (education), 'राज्य' (state) के 'महत्व' (importance) को समझकर लिखना बहुत ज़रूरी है।

• इन दोनों दृष्टिकोणों पर 'direct questions' आते हैं, खासकर परिवार, शिक्षा या धर्म जैसी संस्थाओं के संदर्भ में। दोनों की 'key points' और 'examples' को अच्छे से याद रखना।

• इस टॉपिक से अक्सर 'कार्य' की परिभाषा और 'श्रम विभाजन' व 'औद्योगिकरण' के प्रभावों पर केस स्टडी या सीधे प्रश्न आते हैं। उदाहरणों के साथ तैयारी करना बहुत ज़रूरी है।

• 'धर्म' और 'शक्ति', 'राजनीति' या 'आर्थिक विकास' के बीच संबंधों पर अक्सर 'long answer questions' आते हैं। मैक्स वेबर के 'Calvinism' और 'capitalism' वाले उदाहरण को अच्छे से समझना, यह 'key concept' है।

• इस टॉपिक से 'शिक्षा' की परिभाषा और उसके सामाजिक कार्यों पर सीधे प्रश्न आ सकते हैं। 'सामाजिक विरासत' और 'सामाजिक स्तरीकरण' शब्दों को सही से समझाना ज़रूरी है।

एक नज़र में रिवीज़न

› सामाजिक संस्थाएँ: समाज के स्थापित नियम व प्रथाएँ, व्यवहार नियंत्रित व अवसर प्रदान करती हैं।

› प्रकार्यवाद = संस्थाएँ समाज को स्थिर रखती हैं; संघर्षवाद = संस्थाएँ असमानता व सत्ता के संघर्ष को दर्शाती हैं।

› कार्य = सवेतन/अवैतनिक गतिविधि; श्रम विभाजन, औद्योगिक/उदार उत्पादन से आर्थिक जीवन में परिवर्तन।

› धर्म: समाजशास्त्रीय अध्ययन, प्रतीक, अनुष्ठान, समुदाय, शक्ति व आर्थिक प्रभाव।

› शिक्षा = सामाजिक विरासत का संप्रेषण + सार्वभौमिक मूल्य + स्तरीकरण पर प्रभाव